Seminar held at Nirmala College – July 152017

04
दैनिक जागरण
रांची, 16 जुलाई 2017

उद्योग की जरूरत के अनुसार बनाएं विद्यार्थी

'उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता के विकास में उद्योग की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

जागरण संवाददाता, रांची : रांची विवि के कुलपति प्रो.रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि कॉलेज उद्योग की जरूरत के हिसाब से छात्र तैयार करें। दोनों के बीच अच्छा समन्वय चाहिए। रांची विश्वविद्यालय विद्यार्थियों व शिक्षकों के लिए एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम चला रहा है। वह शनिवार को निर्मला कॉलेज में आयोजित अंतर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इसका विषय था- 'उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता के विकास में उद्योग की भूमिका' था।

संगोष्ठी कॉलेज के प्राणि विज्ञान और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वारा की गई थी। इसमें आये अतिथियों का प्राचार्या डॉ. सिस्टर ज्योति ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. एम्मा रानी सेराफिम ने स्वागत भाषण दिया। मौके पर प्रोवीसी डॉ. कामिनी कुमार, इक्फाई विवि के वीसी प्रो. ओआरएस राव, रूसा नोडल ऑफिसर डॉ. बीके सिन्हा, डॉ. देवयानी राय आदि थीं। मंच संचालन डॉ. अजीत सिन्हा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ पार्वती जायसवाल ने किया।

सेमिनार का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. अन्य पांडेय • जागरण

सेमिनार में उपस्थित विद्यार्थी व छात्राएं • जागरण

शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर शिक्षा की गुणवत्ता

प्रो.कामिनी कुमार ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर है। कॉलेजों में सतत पढ़ाई कार्यक्रम हो। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में गुणवत्तायुक्त शिक्षा की जरूरत बढ़ी है। हमारा उद्देश्य ऐसी शिक्षा देना हो कि विद्यार्थी पढ़ाई के बाद रोजगार से आसानी से जुड़ें। प्राचार्या सिस्टर ज्योति ने कहा कि संगोष्ठी का विषय वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में प्रासंगिक है। जरूरत इस बात है कि युवाओं को रोजगार मिले और यह उद्योग व शिक्षा जगत के बीच साझेदारी से ही संभव है।

चरित्र निर्माण भी जरूरी

प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि ज्ञान व कौशल तो जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरत चरित्र निर्माण की है। गुणवत्तायुक्त शिक्षा का मतलब यह है कि छात्रों को स्नातक के बाद रोजगार मिले। रोजगार के लिए छात्रों में कौशल, कम्युनिकेशन स्किल और सीखने की ललक होनी चाहिए।

रविवार, 16 जुलाई 2017
हिन्दुस्तान
20

निर्मला कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत, इक्फाई विवि के कुलपति बोले

उद्योग और शिक्षा जगत में साझेदारी जरूरी

रांची | प्रमुख संवाददाता

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मानक है कि विद्यार्थियों को ग्रेजुएट होने के बाद नौकरी मिल सके। लेकिन उद्योग जगत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी की शिकायत करता है और शिक्षा जगत रोजगार की कमी की। ऐसे में दोनों के बीच आपसी टकराव की बजाय साझेदारी जरूरी है, ताकि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

यह कहना है इक्फाई के कुलपति प्रो ओआरएस राव का। वह शनिवार को निर्मला कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता मौजूद थे। रूसा प्रायोजित इस संगोष्ठी का आयोजन कॉलेज के जूलॉजी और भूगोल विभाग की ओर से संयुक्त रूप से किया गया है। इसका विषय है- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि में उद्योगों की भूमिका। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति डॉ कामिनी कुमार, कॉलेज की प्राचार्या डॉ सिस्टर ज्योति, रूसा के नोडल अधिकारी डॉ बीके सिन्हा, संगोष्ठी की संयोजक डॉ एम्मा रानी सेराफिम और डॉ देवयानी रॉय आदि मौजूद थीं। कुलपति डॉ रमेश पांडेय ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कॉलेजों में आंतरिक गुणवत्ता होना जरूरी है। इसके लिए कॉलेजों का उद्योगों से निकट संपर्क बने। प्रतिकुलपति डॉ कामिनी कुमार ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। कहा कि उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौती है कि विद्यार्थियों को शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार नहीं मिल पा रहा है।

मौके पर संगोष्ठी की स्मारिका का भी विमोचन किया गया। साथ ही, अतिथियों पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे भेंट किए गए।

शनिवार को निर्मला कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित वक्ता।

आज
www.ajhindidaily.com रांची, १६ जुलाई, २०१७

छात्रों को ऐसी शिक्षा दें, जिससे नौकरी पा सकें : कुलपति

शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षकों पर निर्भर : कामिनी कुमार

निर्मला महाविद्यालय में दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

[illegible]

[illegible]

प्रभात खबर रांची. रविवार • 16.07.2017

निर्मला कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी, कुलपति ने कहा

कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता जरूरी

[illegible]

उद्घाटन के मौके पर मौजूद वीसी डॉ रमेश पांडेय और अन्य

दैनिक भास्कर

रांची, रविवार, 16 जुलाई, 2017 | 06

निर्मला कॉलेज में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता विषय पर सेमिनार

रांची | निर्मला कॉलेज में रुसा के तत्वावधान में शनिवार को उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन के लिए उद्योग की भूमिका विषय पर नेशनल सेमिनार हुआ। इसमें आरयू के वीसी प्रो. रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि कॉलेज उद्योग जगत की मांग के अनुसार स्टूडेंट्स को शिक्षा दें। इसके लिए औद्योगिक प्रतिष्ठान और शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। प्रोवीसी प्रो. कामिनी कुमार ने कहा कि वैश्विक प्रतियोगिता के दौर में गुणवत्तायुक्त शिक्षा की जरूरत बढ़ी है। इससे पहले कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सिस्टर ज्योति ने अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर डॉ. एम्मा रानी सेराफिम, प्रो. ओआरएस राव, डॉ. बीके सिन्हा समेत कई लोग मौजूद थे।